an>

Title: Ruling regarding notices of Privilege, Adjournment motion and suspension of Question Hour.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यमण_। मुझे श्री उदय प्रताप सिंह, श्री कौशलेन्द्र कुमार, डॉ. बूरा नरसैंच्या गौंड, श्री धर्मेन्द्र यादव, श्री राजेश रंजन, श्री के.सी.वेणुगोपाल, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, श्री तारिक अनवर एवं श्री ए. अनवर राजा से विभिन्न विषयों पर स्थमन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई हैं_। यद्यपि ये मामले महत्वपूर्ण हैं, तथापि इनके लिए आज के कार्य में व्यवधान डालना अनिवार्य नहीं हैं_। ये मामले अन्य अवसरों पर उठाने के लिए दिए जाएँगे_।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, आप थोड़ा सा तो शांत रहिए। ये क्या हो रहा हैं? ऐसे में मैं कुछ नहीं सुन पाऊँगी।

…(<u>व्यवधाज</u>)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट, मेरी बात सून लीजिए।

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: I have received notices of question of privilege, dated 22nd July, 2016 from Sarvashri Prem Singh Chandumajra, Nishikant Dubey, Prahlad Singh Patel, Ram Charitra Nishad, Janardan Singh Sigriwal, Rajendra Agrawal, Maheish Girri, Om Birla, Sudhir Gupta, Rakesh Singh, Sushil Kumar Singh, Prof. Chintamani Malviya, Dr. Kirit Somaiya, Dr. Ravindra Kumar Ray, Dr. Sanjay Jaiswal and Dr. Udit Raj, MPs against Shri Bhagwant Mann, MP for unauthorisedly bringing the security arrangements of Parliament House complex in public and conducting himself in a manner unbecoming of a Member.

Further, I have also received a complaint dated 22 nd July, 2016 under Rule 334A of the Rules of Procedure and Conduct of Business from Shri Bhartruhari Mahtab, MP against Shri Bhagwant Mann, MP. I have also received notices of Adjournment Motion from Sarvashri Uday Pratap Singh, Bhartruhari Mahtab and Rajesh Ranjan on the subject.

Sarvashri Chandrakant Khaire, Anandrao Adsul and Dr. Srikant Eknath Shinde have sought to raise the issue immediately after suspending the Question Hour.

But the matters are under my consideration and I will take a decision in the matter.

मैं मानती हूँ वर्योंकि पार्लियामैंट की सिक्यूरिटी के लिए 13 लोगों ने जान गँवाई हैं। मामला गंभीर हैं और मैं मानती हूँ कि इस पर कोई न कोई कार्रवाई ज़रूर होनी चाहिए। मैं इस सब मामले में सोत्रूंगी।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता हैं_। सब लोग क्या करेंगे?

…(<u>व्यवधान</u>)

HON. SPEAKER: I will see it. I told you. Shri Bhartruhari Mahtab, what do you want to say?

...(Interruptions)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam Speaker, I am referring to the Direction of the Speaker 124A and also to the Rule 334A of the Rules of Procedure and Conduct of Business.

We are all aware and we were witness to that incident of 13th December, 2001 when terrorists had attacked the temple of democracy and 13 people had laid down their lives. It is not a matter of ethical conduct of a Member. It is not only a matter of privilege. My request would be that a separate Committee be formed because the terrorists had come to the door of the temple of democracy and they were not aware how to enter into the building. That is why they attacked the door of Rajya Sabha. At that time, Shrimati Sonia Gandhi was so perturbed – she was not inside this House – that she telephoned the Prime Minister Atal ji to find out what has happened inside. So, that was the kind of concern that was shown. The whole nation was perturbed about it. After that a Security Committee was constituted. It went round different Parliaments of the world, and that is how the security aspect has come in. It is a very serious matter. My only concern here is this. It is not ignorance; it is not foolishness either; it is obduracy. Therefore, my request would be that a separate Committee may be formed. I leave it to your judgement as it is not a matter of Ethics Committee, it is not a matter of Privileges Committee. ...(Interruptions)

श्री आर.के.शिंह (आरा) : मैंडम स्पीकर, भगवंत मान जी कह रहे हैं कि वे पुनः वह कार्रवाई करेंगे, वे दुबारा करेंगे वीडियोगूफी_।

मैंडम, भेरा मानना है, जबकि ये कह रहे हैं कि वे पुनः वही कार्रवाई करेंगे, पुनः सिक्यूरिटी को ज्योपार्डी में डालेंगे तो उनको तत्काल निलंबित किया जाए_। उन्हें तत्काल निलंबित किया जाए_।

भ्री मिल्तकार्जुन खड़में (मुलबर्मा) : मैडम, महताब जी ने जो उठाया, रियली यह बहुत मंभीर मामला हैं। सारे सदन को एक होकर इसे कंडेम्न करना चाहिए ववॉकि यह देश की सिक्यूरिटी का मामला हैं। 125 करोड़ जनता को रिप्रेज़ेंट करने वाले लोग, जो यहां पर बैठे रहते हैं, उनकी सुरक्षा का भी पूष्त हैं और देश का भी पूष्त हैं। इसीलिए, जैसा कि उन्होंने कहा, इससे पहले जो टेरिस्ट अटैक इसके ऊपर हुए तो उन्हें मातूम नहीं था कि किस सरते से आना, कैसे आना, किस ढंग से जाना हैं। लेकिन, हमारे ही लोग, अगर हम ही ऐसा करेंगे तो निश्चित रूप से इससे बहुत बड़ा नुकसान होगा और ऐसी हरकतें करने से देश को भी नुकसान होगा और डेमोक्सी को भी नुकसान होगा और कल कोई नहीं बचेगा।...(व्यवधान) इसीलिए, जो उन्होंने किया है उसे हम कंडेम्न करते हैं|...(व्यवधान) आपको एवशन लेना चाहिए, इसके ऊपर एवशन लेना चाहिए|...(व्यवधान)

SHRI P. KUMAR (TIRUCHIRAPPALLI): On behalf of the AIADMK, I would like to say a few words on this issue. We maintain the dignity and decorum of the hon. House. You are the custodian of the House. You may kindly look into the matter and take necessary action as you deem fit, Madam. ...(Interruptions)

भ्री आनंदराच अङ्मुल (अमरावती): मैंडम, मैं इसका विटनेस हूं जब 13 दिसम्बर, 2001 को इस पार्लियामेंट रूपी मिन्दर पर अटैक हुआ था और हमारे तेरह सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जान गंवाई और वे भहीद हो चुके हैं| ऐसी रिथित में हमने जो रूट्स बनाए, उसकी धिजयां उड़ाने का काम मान, जो अपने यहां के सदस्य हैं, संसद के सदस्य हैं, उन्होंने इसे किया हैं| यहां तक कि वह रिपीटेडली बोल रहा हैं कि यह मैं करता रहूंगा|...(व्यवधान) अगर उसे जल्दी से जल्दी, आज के आज अगर बर्खास्त करें, यह हमारे सब सदस्यों का आगृह हैं|...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, थोड़ा शांत हो जाइए।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: मैं बोल रही हं कि हम कुछ करेंगे। I am taking it seriously.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : चन्द्रमाजरा जी, मैं सब की बात समझ रही हूं_। मगर, शोर में कुछ नहीं होता_।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : चन्द्रमाजरा जी।

…(<u>व्यवधान</u>)

भी प्रेम सिंह चन्द्रमानर (आनंदपुर साहिब): मैडम स्पीकर, मैंने जो प्रिवितेन मोभन दिया है, मुझे इस बात का दुःख है कि मैंने जिस ऑनरेबल मेमबर के विशेध में दिया है, वे मेरे प्रदेश से हैं, मेरी कम्युनिटी से हैं|...(व्यवधान) मगर, मैं यह कहना चाहता हूं कि देश की सुरक्षा के मामले में और संसद की प्रेरटीन के मामले में कोई समझौता नहीं हो सकता|...(व्यवधान) जैसे संसद की सीक्रेसी इन्होंने आउट की है, उसकी इनवेरिटनेशन होनी चाहिए| ...(व्यवधान) इसके पीछे किसका हाथ है और वया उद्देश्य था इसका? ...(व्यवधान) वया जानना चाहते थे? ...(व्यवधान) इसकी जांच होनी चाहिए| ...(व्यवधान) इनको सर्थेड करिए| ...(व्यवधान) हाउस में इनकी इंट्री बैन होनी चाहिए| ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again on Monday, 25th July, 2016 at 11.00 a.m.

12.14 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on

Monday, July 25, 2016/Shravana 3, 1938 (Saka).

- e Dद्वड्ढ द्य्ह त्दय्ड्ढद्वद्वद्वद्रय्त्हदस् त्द ण्ड्ढ Hहद्वम्ड्ढ, य्श्वद्वद्ड्ड द्वंड्ढद्य्त्हदस् हहद्वण्ड्ड दहद्य् डड्ढ य्श्वत्ड्ढ्द द्वद्र द्वद्र द्वद्र द्वद्र द्वद्र हद्व्यः । प्रद्वद्वद्द्व्द्द्व्द्व्यः युद्ध्व्यद्व्यः । प्रद्वद्व्यद्व्यः विद्व्यद्व्यः विद्व्यद्व्यः विद्व्यद्व्यः विद्व्यद्व्यः विद्व्यद्व्यः विद्व्यद्व्यः विद्व्यद्वयः विद्व्यद्वयः विद्व्यद्वयः विद्व्यद्वयः विद्व्यद्वयः विद्व्यद्वयः विद्व्यद्वयः विद्वयः वि
- ▲ Lइत्इंड हद ण्ड्ढ ईडथ्ड्ढ.
- *Laid on the Table.
- Laid on the Table.

Laid on the Table.

- 👱 Lहुत्ड्ड हद ण्ड्ढ ईडथ्ड्ढ.
- Lठ्ठत्ड्ड हद ण्डढ र्वडथ्डढ.
- Laid on the Table.
- 👱 Lइत्ड्ड हद ण्ड्ढ ईडथ्ड्ढ.
- Lठ्ठत्ड्ड हद ण्ड्ढ व्रेडथ्ड्ढ.
- Lagres हद ण्डढ व्रेडथ्डढ.